वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 118 शनिवार 26 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

''सुरक्षित स्कूल-सुरक्षित राजस्थान अभियान'' का पहला चरण

प्रदेश के 66 हजार स्कूलों में 60 लाख विद्यार्थियों को आज मिलेगी गुड टच-बैड टच की जानकारी

जयपुर. कासं। बच्चों में गुड टच-बैड टच की समझ विकसित कर उनके प्रति यौन दुर्व्यवहार की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग की ओर से शनिवार को सुरक्षित स्कूल-सुरक्षित राजस्थान अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत एक ही दिन में 66 हजार स्कूलों में 60 लाख विद्यार्थियों को गुड टच-बैड टच की जानकारी दी जाएगी। इन स्कूलों में सुबह 8 से 12 बजे के बीच प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रथम चरण के बाद अक्टूबर और जनवरी में भी इसी तर्ज पर दूसरा और तीसरा चरण आयोजित किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव नवीन जैन ने बताया कि शनिवार को नो बैग डे पर राज्य के समस्त सरकारी विद्यालयों के साथ महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय और स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए इन विशेष प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया जाएगा। पिछले दिनों प्रदेश स्तर पर 1200 अधिकारियों और कार्मिकों को गुड टच-बैड टच के बारे में विशेष प्रशिक्षण दिया गया था। इसके बाद इन मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से सभी 50 जिलों के सरकारी स्कूलों से चयनित एक-एक शिक्षक को प्रशिक्षण दिया गया है। ये विशेष ट्रेनर्स शनिवार को अपने-अपने स्कूलों में बच्चों को जागरूक करेंगे। संस्था प्रधानों को निर्देश दिया गया है कि वे आयोजित कार्यक्रम के बाद इसकी सूचना शाला दर्पण के मॉड्यूल पर तत्काल अपडेट करेंगे।

बीजेपी की परिवर्तन यात्रा का नहीं होगा कोई चेहरा

चारों यात्राओं में शामिल होंगे सभी नेता; 8982 KM की दूरी करेंगी तय

जयपुर. कासं

विधानसभा चुनावों से पहले निकाली जाने वाली बीजेपी की परिवर्तन यात्राओं का दिन और रूट आज फाइनल कर दिया गया है। किसी भी एक नेता के नेतृत्व में यह यात्रा नहीं निकाली जाएगी। यात्रा का कोई चेहरा नहीं होगा। सभी यात्राओं में प्रदेश के प्रमुख और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। चारों दिशाओं से निकलने वाली ये यात्राएं प्रदेश की कुल 200 विधानसभा सीटों को कवर करेंगी। इस दौरान चारों यात्राएं कुल 8,982 किलोमीटर का सफर तय करेंगी। प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने परिवर्तन यात्रा के दिन और रूट की जानकारी आज प्रदेश बीजेपी कार्यालय में दी।

त्रिनेत्र गणेश मंदिर से होगा आगाज

यात्राओं की शुरूआत 2 सितम्बर को पूर्व में त्रिनेत्र गणेश मंदिर (सवाईमाधोपुर) से होगी। इसका शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। यह 18 दिन में भरतपुर व जयपुर संभाग और टोंक जिले से होते हुए 1,847 किलोमीटर का सफर तय करेगी। यात्रा का समापन जयपुर शहर में होगा। पहली यात्रा प्रदेश की 47 विधानसभा सीटों से होकर गुजरेगी।

बेणेश्वर धाम से शुरू होगी दूसरी यात्रा

3 सितम्बर को डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम से दूसरी परिवर्तन यात्रा को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह रवाना करेंगे। यह 19 दिन में 2,433 किलोमीटर का सफर तय करके उदयपुर संभाग, कोटा संभाग और भीलवाड़ा जिले की 52 विधानसभा सीटों को कवर करेगी। इसका समापन कोटा शहर में होगा। जैसलमेर के रामदेवरा से 4 सितम्बर को शुरू होने वाली तीसरी परिवर्तन यात्रा को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रवाना करेंगे। यह सबसे लंबी होगी। यह 18 दिन में 2,574 किलोमीटर सफर तय करते हुए जोधपुर संभाग, अजमेर संभाग और नागौर जिले की 51 विधानसभा सीटों को कवर करेगी। इस यात्रा का समापन जोधपुर जिले में होगा। बीजेपी की चौथी परिवर्तन यात्रा उत्तर में गोगामेड़ी मंदिर (हनुमानगढ़) से 5 सितम्बर को शुरू होगी। इसको केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी रवाना करेंगे। यह 18 दिन में बीकानेर संभाग, झुंझुनूं और सीकर जिले से होते हुए 2,128 किलोमीटर का सफर तय करेगी। इसका समापन अलवर जिले में होगा।

पीयूष गोयल बोले-भारत जल्द सुपर पावर बनेगा

दुनियाभर के छोटे, मझोले उद्योगों के लिए जी-20 की बैठक में तय हुआ जयपुर कॉल

जयपुर. कासं

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत आने वाले वक्त में सुपर पावर के तौर पर उभरेगा। हर देशवासी एक विकसित देश में काम करेगा। आगे हमारे युवक युवतियों को अच्छे अवसर मिलेंगे। आगे की पीढ़ी पैदा होगी। वह एक विकसित भारत में पैदा होगी। गोयल जयपुर के होटल रामबाग में जी-20 देशों के वाणिज्य और उद्योग मंत्रियों की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गोयल ने कहा- भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने यह प्रधानमंत्री का संकल्प है। 140 करोड़ देशवासी संकल्प के साथ जुड़े हुए हैं। भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के लिए और ज्यादा काम करने के लिए प्रोत्साहन दिया।

जी-20 की ट्रेड और इन्वेस्टमेंट मिनिस्टर्स की मीटिंग में हुए फैसले मील का पत्थर साबित होंगे। जयपुर में दो दिन तक चली जी-20 के उद्योग और वाणिज्य मंत्रियों की बैठक में तीन प्रमुख फैसले किए गए हैं। बैठक में ग्लोबल वैल्यू चैन की मैपिंग करने,एमएसएमई सेक्टर के लिए जयपुर कॉल और इंटरनेशनल ट्रेड के डिजिटलाइजेशन के लिए मापदंड तय किए हैं। गोयल ने कहा- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सप्लाई चैन के तहत ग्लोबल वैल्यू चैन की मैपिंग का फैसला किया है। वैल्यू चैन को एक पटल पर लाया जाए। इससे सदस्य देशों को फायदा हो। ग्लोबल वैल्यू चैन में आने वाली दिक्कतों के समाधान की आवश्यकता है। उन्हें तलाश कर समाधान निकाला जाएगा। एमएसएमई सेक्टर के लिए जयपुर कॉल का एक्शन दिया गया है। सदस्य देश एमएसएमई के बारे में डाटा और सूचनाएं साझा करेंगे। छोटे और मझोले उद्योगों के लिए मदद मिलेगी।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का डिजिटलाइजेशन करने 10 हाईलेवल मापदंड

गोयल ने कहा- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुगम बनाने और उसे डिजिटल बनाने को लेकर 10 हाई लेवल मापदंड तय किए हैं। ताकि डिजिटल टेक्नोलॉजी का लाभ सदस्य देशों को मिल सके। ये 10 हाई लेवल मापदंड आगे चलकर वर्ल्ड ट्रेड को डिजिटलाइज करने में मददगार साबित होंगे। इन प्रिंसिपल के माध्यम से विश्व व्यापार को और अच्छा और सरल बना पाएंगे। भारत की सहभागिता विश्व व्यापार में बढ़ सके उसके लिए कई अहम फैसले किए गए हैं। पीयूष गोयल ने कहा- भारत वह देश होगा जो ग्लोबल वैल्यू चैन मैपिंग का सबसे ज्यादा लाभ उठाएगा। पहले भारत का ग्लोबल वैल्यू चैन में हिस्सा कम था। कुछ चीज ऐसी थी जिन में हमारा योगदान रहता था। कई ऐसे देश हैं। जिन्होंने इन ग्लोबल वैल्यू चेंज का लाभ लिया है। इससे नई नौकरियां प्राप्त हुई हैं। नए काम के अवसर आए हैं। निवेश आया है। पिछले 9 साल में पीएम मोदी ने इस क्षेत्र में बहुत काम किया है। पीएम की समझ पहले से ही दिशा में बहुत पक्की थी कि जब तक हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का योगदान वैल्यू चैन में नहीं डालेंगे तब तक हम वैश्विक स्तर पर बड़ी छलांग नहीं लगा पाएंगे। अब समय आ गया है कि उसका लाभ भारत के उद्योग जगत और व्यापार जगत को मिले और उसका लाभ लेना शुरू कर दिया है।

कॉर ग्रुप फॉर तिब्बतन कॉज इंडिया ने शिखर सम्मेलन द्वारा तिब्बती मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए मांग की

जया अग्रवाल. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। कॉर ग्रुप फॉर तिब्बतन कॉज इंडिया के संयोजक आर. के. खिरमे (पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री अरुणाचल प्रदेश) ने पत्रकार बंधुओ को संबोधित करते हुए बताया की कॉर ग्रुप फॉर तिब्बतन कॉज इंडिया सीजीटीसीआई ने जी 20 नेताओं से चीन सरकार द्वारा तिब्बत में मानवाधिकार उल्लंघन पर तत्काल ध्यान देने की अपील की है विशेष रूप से उन रिपोर्ट पर ध्यान देने की अपील की गई है । जिसमें 10 लाख से अधिक तिब्बती बच्चों को उनके माता-पिता से अलग कर दिया गया है और तिब्बत में अनिवार्य आवासीय स्कूल प्रणाली में डाल दिया गया है इस स्कूल नीति का उद्देश्य तिब्बत की संस्कृति धार्मिक और भाषाई रूप को नष्ट करना है यह आवासीय स्कूल चीनी कम्युनिस्ट विचारधारा और उनके द्वारा गढ़ी जा रही कहानियों के साथ राजनीतिक रूप से प्रेरित है ज्ञातव्य है, कि जी-20 शिखर सम्मेलन 9 और 10 सितंबर 2023 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है। सम्मेलन में कॉर ग्रुप फॉर तिब्बतन कॉज इंडिया की मांगे मानव अधिकार उल्लंघन की तत्काल जवाबदेही। परम पावन 14 दलाई लामा का पुनर्जन्म के निर्णय का अधिकार स्वयं परम पावन दलाई लामा और संबंधित अधिकारियों के पास हो तिब्बती बच्चों के अधिकारों का संरक्षण। सभा में कॉर ग्रुप फॉर तिब्बतन कॉज इंडिया के सह संयोजक सुरेंद्र कुमार, अरविंद निकोलस एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के राष्ट्रीय महामंत्री पंकज गोयल उपस्थित हुए। कॉर ग्रुप फॉर तिब्बतन कॉज इंडिया भारत में सभी तिब्बत समर्थक समूह का सर्वोच्च संगठन है इसका कार्य तिब्बती मुद्दे के समर्थन के लिए समन्वय, निर्देश योजनाएं और गतिविधियों को संचालित करना है। अपने अधिकारों और पहचान के लिए तिब्बती लोगों के संघर्ष को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है इस क्षेत्र में नागरिकों को गायब कर देने, मनमाने ढंग से हिरासत में लेने और सांस्कृतिक रूप से अपना वर्चस्व कायम करने के मामले बड़े पैमाने पर हो रहे हैं सीजीटीसी-आइ जी-20 नेताओं से इन अत्याचारों के खिलाफ एकजुट होने और सभी के लिए मानव अधिकार और सम्मान के सिद्धांतों को बनाए रखने का आह्वान करता है।

उपाध्याय श्री उर्जयन्त सागर जी के सानिध्य में मां पद्मावती मंगल विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। आमेर नगर स्थित पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर फागी वाला की उपत्यका में विराजित मां भगवती पद्मावती देवी की मंगल आराधना एवं विधान संपन्न हुआ। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया परम पूज्य उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज के पावन सानिध्य और मंगल आशीर्वाद के साथ भक्तों ने देव आज्ञा ली ,दर्शन पाठ का उच्चारण किया, प्रभु जी का मंगल अभिषेक हुआ, उपाध्याय भगवन्त के श्रीमुख से वृहत शांति धारा उच्चारित हुई, नित्य नियम पूजा के पश्चात मां पद्मावती देवी का सावन का श्रृंगार किया गया। उपस्थित श्रावकों ने माता की भाव पूर्वक गोद भराई की ।सोलह श्रृंगार किया और मां भगवती का आह्वान करते हुए सर्व विघ्न हरण मंत्रो से शांति धारा की। पद्मावती स्तोत्र का वाचन हुआ ।स्तुति हुई, मां की पूजा और अभ्यर्थना की गई। विशेष मंत्रों से जाप किया गया और मंगल आरती के पश्चात उपाध्याय भगवन्त का मंगल प्रवचन हुआ। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा ने बताया ,मां भगवती पद्मावती के मस्तक पर विराजमान प्रभु पार्श्व के मस्तक पर छत्र विराजित करने का पुण्य कैलाश चंद धर्मेंद्र कुमार फागी वाला ने अर्जित किया। भामंडल विराजमान करने का सौभाग्य प्राप्त किया सूर्यकांत जैन इंदौर निवासी ने।

राजस्थान में उद्योगों पर बिजली संकट के बादल मंडरा रहे हैं

जयपुर . शाबाश इंडिया। सप्ताह में दो दिन रात्रि कालीन कटोती के कारण उद्योगों के सामने बहुत बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा एक तरफ राजस्थान में पेट्रोल व डीजल की रेटे पड़ोसी राज्यो की तुलना में ज्यादा है बिजली पर फ्यूल सरचार्ज हटाया नहीं जा रहा है दूसरी तरफ उद्योगों पर सप्ताह में दो बार रात्रिकालीन बिजली कटौती से उद्योगों को चलाने में बहुत बड़ा संकट का सामना करना पड़ेगा। पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में प्रीतमपुर इंडस्ट्रियल एरिया इस बात का उदाहरण है कि आज वहाँ पर उद्योग धंधे निरंतर प्रगति कर रहे हैं और हमारे यहाँ पर राजस्थान में सरकार की गलत नीतियों के कारण उद्योग धंधे निरंतर प्रभावित हो रहे हैं ।जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर माँग की है कि प्रदेश में उद्योगो के लिए बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की जाए जिससे उद्योग धंधों को इस तरह के संकट का सामना न करना पड़े इस पर माकूल स्थायी नीति बनायी जाए।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ,जयपुर की एक दिवसीय धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ, जयपुर द्वारा शुक्रवार दिनांक 25 अगस्त 2023 को भांकरोटा - बड़ के बालाजी मन्दिर दर्शन यात्रा का आयोजन किया गया ।इसके अंतर्गत ग्रुप के 31 सदस्य सुबह 8:00 बजे ए. सी. बस द्वारा टोंक फाटक से रवाना हुए एवं 9:00 बजे भांकरोटा पहुंचे, यहाँ भगवान पार्श्वनाथ का अति प्राचीन जिनालय है ।मन्दिर कार्यकारिणी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार सेठी ने मन्दिर जी की अति प्राचीन प्रतिमाओं के अतिशय के बारे में अवगत कराया। ग्रुप अध्यक्ष कैलाश चंद बिंदायक्या, सचिव विमल प्रकाश कोठारी ने कार्यकारिणी का आभार प्रकट किया। तत्पश्चात सदस्य बड़ के बालाजी मन्दिर के लिए रवाना हुए। बड़ के बालाजी अत्यंत ही रमणीय स्थल है, यहाँ भगवान चंद्रप्रभ का विशाल जिनलाय है, यहाँ आकर सदस्यों ने रिद्धि सिद्धि मंत्रों, दीपकों से भक्तामर पाठ किया। संरक्षक प्रदीप छाबड़ा द्वारा कार्यकारिणी का आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम के संयोजक निर्मल कासलीवाल एवं रोशन लाल जैन थे।

अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे साध्वी प्रीतीसुधा के सानिध्य मे गुरूभगवंतो की जन्म जयंती पर तृतीय दिवस हुआ सह जोड़े जाप

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

सामूहिक जाप करने से जीवन मे सुख आते है और दुःखः दूर हो जाते है। शुक्रवार को मरूधर केसरी एवं लोकमान्य संत रूपमुनि जी महाराज पंच दिवसीय जन्मजयंती आयोजन कार्यक्रम के अर्तगत तृतीय दिवस अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे महासती प्रीतिसुधा, साध्वी उमराव कंवर के सानिध्य मे महामंत्र नवकार का सह जोड़ें जाप रखा गया। सैकड़ों महिलाओ और पुरूषों ने सामूहिक रूप से महामंत्र का जाप किया गया।सामूहिक जाप से पूर्व साध्वी प्रीतिसुधा ने कहा कि नवकार मंत्र जाप का फल कभी निश्फल नहीं जाता है इसके वाचन और श्रवण से आत्मा और मन पवित्र हो जाता है। इसका फल आत्म कल्याणकारी तो है ही साथ जीवन मे जो बांधाये और विपदाएं आती है, वो महामंत्र के सिमरन से टल जाती है। अनादि और अभेद्य मंत्र है। जो मनुष्य मयार्दा मे रहकर प्रतिदिन नवकार का जाप करता है। वो प्रांणी अपनी यश कीर्ति को बढ़ा सकता है जीवन के सुखो को भोगकर आत्मा को परमात्मा बना सकता है। अहिंसा भवन शास्त्री नगर के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल ने बताया कि जाप मे शहर के अनेक उपनगरों और अहिंसा भवन के अशोक पोखरना,सुशील चपलोत, रिखबचंद पीपाड़ा आदि पदाधिकारियों और महिला मंडल चंदनबाला की अध्यक्षा नीता बाबेल,मंजू पोखरना उमा आंचलिया,संजूलता बाबेल,मंजू बाफना,रजनी सिंघवी ने सैकड़ों श्रध्दांलूओ के साथ सामूहिक रूप से महामंत्र नवकार के जाप मे भाग लिया। निलिष्का जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि सहजोड़े जाप और प्रवचन मे पधारने वाले सभी भाई बहनों को अशोक कुमार गुगलिया और हेमन्त आंचलिया की ओर से प्रभावना दी गई ।

प्रवक्ता निलिष्का जैन,
भीलवाड़ा

सम्मेदशिखर जी के शाश्वत विहार (निहारिका) के रिनोवेशन स्वागतकक्ष का लोकार्पण किया

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया

हर्ष की बात यह भी है की सिद्धौमल चेरिटेबल ट्रस्ट- दिल्ली के मैनेजिंग ट्रस्टी श्रेष्ठी देवेन्द्र कुमार जैन के सौजन्य से शाश्वत विहार (निहारिका) के स्वागतकक्ष का रिनोवेशन कार्य इस माह सम्पन्न हुआ है । श्रावन सूदी सप्तमी वीर निवार्ण संवत 2548 अनूठा संयोग 23 तारीख, 2023 वां वर्ष तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक अवसर पर ट्रस्ट के महामंत्री समाजसेवी राजकुमार अजमेरा -हजारीबाग व कोषाध्यक्ष सी. ए. महेंद्र कुमार जैन- रांची ने ट्रस्ट में पधारें आगंतुकों उपस्थिति में संयुक्त रूप से रिशेप्सन गेट पर लगे रिबन को खोला और दातार के शीलापट का अनावरण कियें । स्वागतकक्ष की उत्कृष्टता ने मोक्षसप्तमती के अवसर पर पधारे सभी आगंतुको के मन को खुब मोहा, मानो ट्रस्ट की विख्याता में और भी चार-चांद लग रहा हो, इस शुभ अवसर पर ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष शिखरचंद जी पहाड़िया - मुम्बई ने श्रेष्टि देवेन्द्र जी जैन को हृदय से धन्यवाद दिया ।लोकार्पण के मौके पर सुनील कुमार पेढारी (ट्रस्ट के उपाध्यक्ष संतोष पेंढारी - नागपुर के भाई), अनील जैन चुड़ीवाले, देवेन्द्र अग्रेकर,दिनेश जोहरापुरकर, रविकांत जैन - नागपुर, श्याम जैन - चास, विपिन जैन, अमित जैन दीपक जैन-बिहारी कालोनी दिल्ली, विपिन जैन- शकरपुर दिल्ली, अरूण कुमार जैन शकरपुर दिल्ली, विभोर जैन - गाजियाबाद, जयकुमार जैन, अनुराग जैन - सोनीपत, अजय कुमार (ऐडवाकेट) - दिल्ली, राजकुमार जैन अजमेरा,संजय गंगवाल - झुमरीतिलइया, प्रवीण तिजारिया - जयपुर, श्रीमती रश्मि जैन- अहमदाबाद, प्रियंका जैन- अभी जैन-कानपुर ट्रस्ट के प्रबंधक संजीव जैन, गंगाधर महतो, ए. सइदी, पुजारी शैलेन्द्र जैन, मुकेश महतो, पारस जैन समेत सभी कर्मचारी एवं मधुबन के आस-पास के प्रबुद्ध कई लोग उपस्थित थें।

कोडरमा मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा ।

तीर्थक्षेत्रों की दशा सुधारने, एकजुट होकर करेंगे काम-जंबू प्रसाद जैन

जैन तीर्थो की दशा एवं दिशा पर आयोजित हुई परिचर्चा एवं संगोष्ठी

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

इंदौर। तीर्थ स्थलों की दशा अच्छी नहीं है, तीर्थ स्थलों के विकास की रफ्तार कभी नहीं रुकना चाहिए, तीर्थ स्थल हमारे लिए बहुत बड़ी चुनौती है, इसे बचाने के लिए हमें एकजुट होना पड़ेगा क्योंकि तीर्थ स्थलों की स्थिति काफी खराब है । तीर्थ स्थलों की दशा सुधारने की जरूरत है ।हम सभी समाज जनों को मजबूती के साथ कार्य करना पड़ेगा ।जैन समाज का पक्ष मजबूती के साथ रखना चाहिए ।जैन तीर्थ की दशा एवं दिशा पर चिंतन होना बहुत आवश्यक है ।समाज एकजुट होना भी बहुत जरूरी है ।इंदौर जैन समाज का बहुत बड़ा सशक्त केंद्र है और समाज सेवा के क्षेत्र में भी नंबर वन है। उक्त विचार गाजियाबाद के प्रसिद्ध उद्योगपति श्री जंबू प्रसाद जैन ने जैन तीर्थों की दशा एवं दिशा पर परिचर्चा संगोष्ठी को संबोधित करते हुए व्यक्त किए ।इस संगोष्ठी में जैन तीर्थों पर हो रहे कब्जो को लेकर एवं प्राचीन तीर्थों के जीर्णोद्धार पर चर्चा हुई ।इसमें देशभर के अलग अलग राज्यों से जैन तीर्थ के अध्यक्ष भी एक मंच पर आए व अपनी बात कही। दिगंबर जैन समाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के अध्यक्ष राकेश विनायका, तीर्थ निर्देशिका के संपादक हसमुख जैन गांधी ने बताया कि रविवार को जैन तीर्थ की दशा एवं दिशा पर परिचर्चा एवं संगोष्ठी सरसेठ हुकुमचंद की नसिया जवरीबाग में आयोजित की गई। आयोजन की शुरूआत सुबह दीप प्रज्वलन के साथ हुई। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि गाजियाबाद के प्रसिद्ध उद्योगपति जंबू प्रसाद जैन थे ।विशेष अतिथि भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी उ प्र के अध्यक्ष श्री जवाहरलाल जैन, भगवान ऋषभदेव मूर्ति निर्माण कमेटी औरंगाबाद के महामंत्री श्री संजय पापड़ीवाल रहे।

वेद ज्ञान

सार्थक जीवन

गुण पूजनीय तब बनते हैं, जबकि मनुष्य के जीवन में विचार और आचरण का समन्वय होता है। इसके लिए कठोर साधना करनी होती है। वस्तुतः किसी मार्ग को पकड़कर उस पर चलते जाना साधना नहीं है। धन, सत्ता और भोग के पीछे आंख मूंदकर दौड़ने वालों की संख्या कम नहीं है, उनकी उस दौड़ को साधना नहीं कहा जा सकता। साधना सदा उच्च आदर्शों की उपलब्धि के लिए की जाती है। महावीर ने साधना की थी, गौतम बुद्ध ने साधना की थी। उन्होंने राजपाट का मोह छोड़ा, घरबार का त्याग किया और सारे वैभव को ठुकराकर उस चरम लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास किया, जिसकी प्राप्ति के बाद पाने को कुछ भी नहीं रह जाता। आधुनिक युग में विवेकानन्द, महात्मा गांधी और आचार्य तुलसी आदि महापुरुषों ने वही किया। स्वेच्छा से अकिंचन बने और जीवन के अंतिम क्षण तक साधना के मार्ग पर अडिग निष्ठा और मजबूती से चलते रहे। इन युग-प्रवर्तकों के स्मरण से आज भी श्रद्धा से मस्तक नत हो जाता है। अपने जीवन से उन्होंने बता दिया कि मूल्यों की स्थापना किस प्रकार की जाती है और अपने जीवन को किस प्रकार ढाला जाता है। भारतीय जीवन दर्शन का एक मंत्र है- सादा जीवन उच्च विचार। देखने-सुनने में यह बड़ा सरल लगता है, लेकिन उतना ही कठिन है। जीवन में अधिकांश बुराइयां इस मंत्र की अवहेलना से होती हैं। सादगी और सात्विकता का चोली-दामन का साथ है। जिसमें सादगी का गुण होता है, वह असात्विक कभी हो नहीं सकता और ऐसा व्यक्ति सांसारिक मोह-माया से दूर रहता है। भारतीय संस्कृति गुणों की खान है। हमारे यहां हमेशा इस बात पर जोर दिया गया है कि मनुष्य हर तरह से शुद्ध रहे। संयम से जीवन जिए। तप और साधना से जीवन को चमकाए। भगवान महावीर ने तो यहां तक कहा है कि कठोर साधना से आत्मा, परमात्मा बन सकती है। गुणी मनुष्य सार को ग्रहण करते हैं और छाया को छोड़ देते हैं। जिसकी कथनी और करनी में अंतर नहीं होता, वही समाज में आदर के योग्य बनता है। गुण की सब जगह पूजा होती है। आज इसकी ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आज मानव-मूल्यों का पतन हो रहा है, भौतिक मूल्य चारों ओर छा गए हैं। नाना प्रकार की विकृतियों से मानव, समाज और राष्ट्र आक्रांत हो गया है।

संपादकीय

हमारा विज्ञान आज नई ऊंचाइयों को हासिल रहा

निश्चित रूप से यह भारत और सभी देशवासियों के लिए खूब बधाई और खुश होने का मौका है कि चंद्रयान-3 ने चांद की सतह पर उतर कर इतिहास रच दिया है। यों इस बार भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान यानी इसरो ने जैसी तैयारी की थी, उसमें पहले ही यह उम्मीद मजबूत दिख रही थी कि देश का विज्ञान एक नया आसमान छूने जा रहा है, लेकिन इस क्षेत्र में हुए प्रयोगों में अब तक के अनुभवों को देखते हुए अंतिम पल तक सबकी सांसें एक तरह से रुकी हुई थीं। यह स्थिति स्वाभाविक ही थी क्योंकि ऐसे अभियानों में आखिरी के कुछ पल सबसे महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं। लेकिन चौदह जुलाई के बाद अपनी चालीस दिन की यात्रा पूरी कर चंद्रयान-3 बुधवार शाम को ठीक जिस पल चांद की सतह पर कामयाबी के साथ उतरा, उस पल ने दुनिया भर में देश का माथा ऊंचा कर दिया। आज भारत दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने में अपना झंडा लहराया। इसके साथ ही एक बार फिर यह साबित हुआ है कि विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में देश के वैज्ञानिकों और खासतौर पर इसरो ने जिस स्तर पर जाकर काम किया है, उसने आज दुनिया भर में भारत को एक बड़ा सम्मान दिलाया है। हालांकि इससे पहले अंतरिक्ष में अन्य तमाम उपलब्धियों के जरिए देश ने सफलता की एक लंबी शृंखला कायम की है, लेकिन चंद्रयान-3 के अभियान को दुनिया भर में जिस तरह देखा जा रहा था, उससे इसकी अहमियत की भी पुष्टि होती है। अब ताजा सफलता के साथ ही अंतरिक्ष कार्यक्रम में भारत को एक नई और बेहतर जगह बनेगी। यह बेवजह नहीं है कि चंद्रयान-3 के चांद के सतह पर उतरने के साथ ही तमाम बड़े देशों और उनके नेताओं की ओर से भारत के लिए विशेष बधाइयां भेजी गईं। यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि दुनिया के कई वैसे देश, जो विज्ञान और तकनीक के मामले में दुनिया भर में अग्रणी माने जाते हैं, भारत आज उनके समांतर खड़ा होने और कई मामलों में आगे निकल जाने का सफर तय कर चुका है। यह भी गौरतलब है कि कुछ ही दिन पहले रूस को तब बड़ा झटका लगा था, जब 'लूना-25' चांद की सतह पर पहुंचने के पहले ही तबाह हो गया। जाहिर है, भारत ने इस क्षेत्र में भी अपनी क्षमता साबित है, लेकिन इसका लाभ दुनिया भर को मिलने वाला है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि चंद्रयान-3 का मिशन पूरी मानवता के लिए है, यह मानवतावादी विचार पर आधारित है। अंतरिक्ष को जानने-समझने के क्रम में भी हमारा विज्ञान आज नई ऊंचाइयों को हासिल कर सका है और दुनिया एक अंधेरे युग से निकल सकी है। इस क्रम में कई देशों के अभियानों के जरिए अंतरिक्ष के अनंत आकाश के बारे में समझने में मदद मिली है। अब चंद्रयान-3 इसमें नया अध्याय रचने जा रहा है। इसरो की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, चंद्रयान-3 के लिए मुख्य रूप से तीन उद्देश्य निर्धारित किए गए थे। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सोशल मीडिया

दुनिया भर में तकनीकी के विस्तार के साथ जैसे-जैसे इस तक लोगों की पहुंच का दायरा बढ़ रहा है, वैसे-वैसे इसका असर भी साफ देखा जा सकता हो। खासतौर पर मनोरंजन के माध्यम के रूप में पिछले कुछ सालों के दौरान इंटरनेट पर 'ओवर द टाप' यानी ओटीटी मंचों का प्रसार तेजी से हुआ और कंप्यूटर के अलावा ज्यादातर लोगों के पास स्मार्टफोन होने की वजह से इस पर प्रसारित सामग्रियों तक लोगों की आसान पहुंच बनी है। सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर ज्ञान-विज्ञान से संबंधित सामग्रियां भी मौजूद हैं, जिनका लाभ वयस्क या बच्चे उठाते हैं। इसे तकनीक के सकारात्मक विस्तार के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन इसके समांतर इन पर प्रसारित फिल्मों या अन्य कार्यक्रमों की भाषा और प्रस्तुति को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। खासतौर पर ओटीटी मंचों पर ऐसी फिल्में सबके लिए सुलभ हैं, जिसमें कई बार अश्लील भाषा का इस्तेमाल धड़ल्ले से होता है और धीरे-धीरे यह लोगों की सोचने-समझने की प्रक्रिया को दूषित करता है। इसका एक चिंताजनक प्रभाव बच्चों पर पड़ रहा है, जो अनजाने ही अवांछित सामग्रियों के संपर्क में आ जाते हैं। शायद यही वजह है कि हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मसले पर कहा था कि सोशल मीडिया और ओटीटी मंचों पर विषय-वस्तु को विनियमित करने के लिए नियम और दिशानिर्देश तैयार करने पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। अदालत ने सार्वजनिक और सोशल मीडिया मंचों पर अश्लील भाषा को गंभीरता से लेने को रेखांकित क्या था, जो कम उम्र के बच्चों के लिए भी आसानी से सुलभ हैं। इसी संदर्भ में अब केंद्र सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय को आश्वासन दिया है कि सोशल मीडिया मंचों और मध्यवर्ती संस्थाओं को नियंत्रित करने वाली उसकी नीति में आवश्यक नियम और विनियम शामिल होंगे कि ये मंच अश्लील भाषा और अपवित्र आचरण से मुक्त हों। गौरतलब है कि एक ओटीटी मंच पर प्रसारित एक वेब सीरीज में इस्तेमाल भाषा के बारे में सख्त टिप्पणी करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था कि अभद्र भाषा के रूप में अश्लीलता का इस्तेमाल महिलाओं को अपमानित करता है, क्योंकि अपशब्द और अश्लीलता महिलाओं को सिर्फ देह और वस्तु होने के रूप में संदर्भित करती है। दरअसल, आज कई ओटीटी मंचों पर प्रस्तुत फिल्मों या सीरीज में जैसी सामग्रियां परोसी जा रही हैं, उसके पीछे कोई तर्क नहीं है। कलात्मकता, भदेसपन और खुलेपन के नाम पर जैसी भाषा और जैसे दृश्य प्रदर्शित किए जाते हैं, उसे वास्तविकता के तत्त्व को बढ़ाने वाला बताया जाता है। हकीकत यह है कि इनका असर उन लोगों पर पड़ता है, जो भाषा और दृश्यों के जरिए समाज के सोचने-समझने की दिशा के बारे में परिपक्व तरीके से नहीं सोच पाते हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि बच्चों का कोमल मन-मस्तिष्क ऐसी संवेदनशील प्रस्तुतियों से गहरे तक प्रभावित होता है और एक तरह से यह उनका समाजीकरण भी होता है। ऐसे में अश्लील भाषा या सामग्रियों के जरिए उनके भीतर कैसी सोच-समझ बनती होगी? इस चिंता का मजबूत आधार है कि समाज में या फिर किसी दृश्य माध्यम में अभद्र भाषा का इस्तेमाल महिलाओं के खिलाफ दोयम दर्जे की मानसिकता का ढांचा तैयार करता है। इसलिए इस मसले पर अदालत की चिंता और केंद्र सरकार के रुख के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि इस दिशा में ठोस मानक तैयार किए जाएंगे, जो अभिव्यक्ति की आजादी को बाधित किए बिना भी लोगों और समाज को आगे ले जाने में मददगार साबित हों।

महावीर इंटरनेशनल ने मुख बाधिर बच्चों के साथ मनाया रक्षा बंधन पर्व

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

सबको प्यार सबकी सेवा जीवों और जिने दो के उद्देश्य से चलने वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल वीर वीरा धरा परिवार कुचामन के द्वारा सम्पर्क संस्था के मुक बाधिर बालिका शिक्षक धीरज सिंह के सानिध्य वीर सोहनलाल शारदा व परिवार के सौजन्य से मूक बधिर बालिकाओं से राखी बधावकर रक्षा पर्व मनाया। सभी बालिकाओं के वीरा सदस्यों द्वारा मेहन्दी लगाती वीरा सरोज पाटनी, वीरा शारदा वर्मा, वीरा मंजु, राखी बड़जात्या, वीरा सीमा, अनिता , नीलम, काला, वीरा विजयकोर बिडसर वीरा कविता अग्रवाल, वीरा रेखा, वीरा मनीषा, वीरा कल्पना पहाड़िया ने सभी को अल्पाहार करावा कर सभी गिफ्ट भेंट किए व वीर रामावतार गोयल अजित पहाड़िया वीर तेजकुमार बड़जात्या वीर सम्पत बगड़िया वीर अशोक अजमेरा वीर संदीप पान्डया, अमित काला ने राखी बंधवाकर समय समय पर सहयोग करने का आश्वासन दिया। सभी बच्चों के चेहरे पर मुस्कान - खुशी देखकर सभी सदस्यों के मन बहुत प्रसन्न हुआ।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के आयोजन के मद्देनजर हुई बैठक

सूरत. शाबाश इंडिया

पिछले 41 वर्षों से वैश्य समाज के हितों हेतु समर्पित अखिल भारतीय वैश्य महा सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक आगामी 9 सितम्बर को सूरत के डुमस रोड़ स्थित अग्र एग्जॉटिका में आयोजित होने जा रही है। इस उद्देश्य से सूरत के सूरत टेक्सटाइल्स मार्केट के बोर्ड रूम में एक मीटिंग आयोजित हुई जिसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को प्रभावी बनाने हेतु चर्चा मन्त्रणा हुई। मीटिंग में गुजरात प्रदेश अध्यक्ष सुनील शाह, सांवर मल बुधिया, प्रो डॉ संजय जैन, कैलाश हकीम, महेश मित्तल, अजय अजमेरा, रतनलाल दारूका, अशोक टिबड़ेवाल, अशोक सिंघल, राजू भाई औरड़िया, गणपत भंसाली आदि महानुभाव उपस्थित रहे। व गुजरात प्रदेश वैश्य महासम्मेलन की कार्यकारिणी गठित की गई। गुजरात प्रदेश अध्यक्ष सुनील शाह ने बताया कि देश भर के 20 राज्यों में संगठन का विस्तार है, सूरत में आयोजित मीटिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व राज्य सभा सांसद गिरीश सांघी, महामंत्री गोपाल मोर तथा विभिन्न प्रदेशों के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रीय कार्यसमिति में देश व प्रदेश के अनेक राजनेताओं व राज्यपालों आदि को आमन्त्रित किया गया है व वैश्य समाज से जुड़े अनेक प्रशासनिक अधिकारी व विभिन्न प्रतिभाएं मौजूद रहेंगे।

स्वर्ग और देवलोक मांगने से नहीं मिलता है: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। संसार का हर प्राणी स्वर्ग प्राप्त करना चाहता है। लेकिन स्वर्ग मांगने से नहीं मिलता है। साहूकार पेठ श्री एस.एस.जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार मे महासती धर्मप्रभा ने श्रोताओं को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि क्रोध मान लोभ और कसायो को जब तक मनुष्य त्याग नहीं करेगा तब तक उसकी आत्मा को देवलोक और स्वर्ग कि प्राप्ति नहीं होने वाली है। क्रोध मान लोभ और कसाय आत्मा की मुक्ति मे तो बांधा पहुंचाते ही है मनुष्य के जीवन का निर्माण भी नहीं होने देते है। इंसान कितना भी जप तप करले लेकिन उसका क्रोध लोभ और लालसाएं जब तक खत्म नहीं हो जाती है। तब तक उसको जप तप और साधना का फल नहीं मिलने है। मनुष्य पाप करके दुनिया के किसी भी कौने मे छिप जाए, लेकिन भगवान कि नजरों से नहीं बच सकता है ।जब तक अपने सम्पूर्ण पापो का प्रायश्चित एवं क्षय नहीं कर लेता है तब तक संसार मे अपने जन्म मरण को नहीं टाल पाएगा। आत्मा देवलोक मे तभी प्राप्त कर सकती है ।जब मनुष्य अपने अशुम कर्मो का क्षय कर लेगा ।साध्वी स्नेहप्रभा प्रभा ने उत्ताराध्ययन सूत्र के पांचवे अध्ययन का वांचन करते हुए संसार मे संत हो या गृहस्थ जिसकी जैसी साधना होगी उसे जीवन मे वैसा ही फल प्राप्त होगा। परमात्मा की वाणी मे सभी केलिए सम्मान होती है, चाहे साधू हो या गृहस्थ वितराग वाणी में कौई अंतर नहीं होता है। परमात्मा सदमार्ग दिखा सकते है लेकिन चलना स्वयं को पड़ता है,तभी आत्मा देवलोक और मोक्ष को प्राप्त कर सकती है ।संसार मे हर मनुष्य कि आकृति एक जैसी होती है परंतु स्वभाव और प्रवृत्तिया सभी की अलग-अलग होती है। किसी मे बुराइयां और किसी मे अच्छाइयां भरी हुई होती है। इंसान जन्म से बुरा नहीं होता अपने व्यहवार, आचरण से अपने जीवन का पतन भी कर सकता है और उत्थान भी कर सकता है। मनुष्य मयार्दा मे रहकर धर्म का पालन करे और परमात्मा के बताए गए पथ पर चलेगा तो अपनी यश कीर्ति को बढ़ा कर अपनी इस आत्मा देवगती दिलवा सकता है। श्री संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने बताया कि धर्मसभा में महासती धर्मप्रभा जी की प्रेरणा पर अनेक बहनों ने श्री पार्श्वपद्मावती के एकासन व्रत के प्रत्याख्यान लिए उन सभी बहनों एकासन व्रत की श्री एस.एस.जैन संघ साहूकार पेठ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, महामंत्रीसज्जन राज सुराणा, पदम ललवानी, माणकचन्द खाबिया, सुरेश डूगरवाल, जितेन्द्र भंडारी, बादलचन्द कोठारी, महावीर कोठारी, शांतिलाल दरड़ा, शम्भू सिंह कावड़िया,सुभाष काकलिया,अशोक सिसोदिया ज्ञानचन्द चौरड़िया आदि सभी पदाधिकारियों ने एकासन व्रत कि अनूमोदना की और सभी को सामूहिक रूप एकासना व्रत करवाया।

पुस्तक समीक्षा : कहानी संग्रह तरुशिखा

लेखिका : डॉ.कांता मीना
प्रकाशक : सूर्य मंदिर प्रकाशन,
बीकानेर प्रकाशन वर्ष : 2023
पृष्ठ संख्या 96 मूल्य 300 रुपए

मानवीय संवेदनाओ का एहसास कराती कहानियों का संग्रह है तरुशिखा, बीकानेर निवासी ख्याति नाम साहित्यकार एवं कहानीकार डॉ.कांता मीना का कहानी संग्रह तरुशिखा सूर्य प्रकाशन मंदिर बीकानेर द्वारा प्रकाशित हुआ है। इस कहानी संग्रह में 29 कहानियों को समाहित किया गया है। संग्रह की सभी कहानी समाज में घटित सत्य घटनाओं पर आधारित है जो आए दिन हमारे सामने घटित होती रहती हैं लेकिन हम और आप इस तरफ ध्यान नहीं देते। समाज में घटित घटनाओं पर अपनी लेखनी चलाकर डॉ.कांता मीना ने मानवीय संवेदनाओं से लवरेज कहानियों को जन्म दिया है। जिस प्रकार एक अधिवक्ता अपने तर्क वितर्क से न्यायालय में घटनाओं को जज के सामने रखकर न्याय की गुहार करता है ठीक उसी प्रकार से डॉ. मीना ने समाज में घटित घटनाओं को कहानी बनाकर साहित्य को समाज के सामने रखा सत्य की कसोटी परखने के लिए। कहानी संग्रह की कहानी परीक्षा से पहले की परीक्षा के माध्यम से डॉ. कांता मीना ने युवा लड़कियों की उस पीड़ा को उजागर किया है जो परीक्षा केंद्र तक जाने व केंद्र पर नकल रोकने के नाम पर युवतियों के साथ बदसलूकी होती रहती है। बेटियां जब परीक्षा केंद्र पर जाती हैं तो उनके साथ घर से निकलने से लेकर परीक्षा केंद्र तक अनेकों तरह की बदसलूकी होती है फिर भी वे बेटियां अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज से लड़ती हुई आगे बढ़ती है। संग्रह की कहानी वायरल गर्ल एक गांव देहात की ऐसी लड़की की कहानी है जो पढ़ना चाहती है लेकिन घर की आर्थिक हालात सही नहीं होने के कारण आगे नहीं पढ़ पाती। शादी के बाद उसके हौसलों की उड़ान भरने में उसके पति ने साथ दिया तो वह लड़की आईपीएस अधिकारी बन जाती है और उसका वीडियो अपने सपनों को नया आयाम देती प्रसिद्ध लड़की के नाम से वायरल होता है जिससे अन्य लड़कियां प्रेरणा ले आगे पढ़ने के लिए अपने मां-बाप से भी लड़ जाती है। यह लड़की अपनी मेहनत व लगन से पति का सहयोग प्राप्त कर अपने हौसलों की उड़ान भर पाई। कहानी खुशबू आज के युग में रिश्तों में पड़ रही खटास को दूर कर एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर रही है जिसमें सास बहू के रिश्तों में मिठास है ।मां के हाथ के खाने की खुशबू बेटे को आकर्षित करती है तो मां भी अपनी बहू को बेटी समझ कर प्यार व दुलार करती है। संवेदनशील कहानीकार डॉ.कांता मीना ने अपनी कहानी कार्यकर्ता के माध्यम से देश की राजनीति में दलबदलू नेताओं पर करारा व्यंग्य करते हुए जनता को उनकी हकीकत से रूबरू कराया है। संग्रह की शीर्षक कहानी तरुशिखा ग्रामीण जीवन में घर के बड़े बेटे की जिम्मेदारियां को बयां करती है जिसमें घर का बड़ा बेटा जीवन भर बड़ा होने के कारण अपने सपनों को मारकर परिवार की जिम्मेदारियां का बोझ उठाता है लेकिन उसी के छोटे भाई जब बड़े होने पर उसे मान सम्मान नहीं देते हैं तो वह उस पीड़ा को कैसे सहन करता है यह इस कहानी

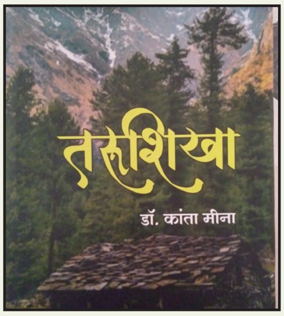

के द्वारा कहानीकार ने समाज को अवगत कराया है । डॉ.कांता मीना के इस कहानी संग्रह की अन्य कहानियां अतीत की यादें, कथनी और करनी,विकास की गति, ईमानदारी,बछडे की व्यथा, चुनावी मुद्दा, देशी, भ्रष्टाचार, जादूगरी, यम के नियम, नया घर, बीजणी, एफ.डी. कड़ीली हंसी, आखिरी रात,हार और जीत, फरियादी, व्यंग्य, जंगल राज, अपनी-अपनी समझ, उपहार, भाग्य,जलसा व प्रथम पंक्ति भी मानवीय संवेदनाओं से भरी हुई है। डॉ. कांता मीना एक भावुक व संवेदनशील कहानीकार है उनकी कहानियों को पढ़कर ही लगता है कि समाज के हर पहलू को बड़े ही अच्छे ढंग से कहानियों में पिरोया है संवेदनशील कहानीकार डॉ. मीना ने अपनी कहानियों में अपने विचारों को बेबाकी से व्यक्त किया है । डॉ.मीना की कहानी समाज के वास्तविक रूप का ईमानदारी से दर्शन कराते हुए सभी कहानी समाज को सही दिशा दिखाने का भरसक प्रयास करेंगी। एक सच्चे साहित्यकार का कर्तव्य है कि वह अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को दर्पण दिखाएं और यह कार्य डॉ. कांता मीना ने बखूबी किया है। तरुशिखा कहानी संग्रह में कहानीकार अपनी बात कहने में सफल रही है। उम्मीद है डॉ. कांता मीना के इस कहानी संग्रह को पाठकों का भरपूर प्यार मिलेगा।

समीक्षक : राजेंद्र यादव आजाद
(साहित्यकार) व वरिष्ठ सहायक
रा.उच्च मा.वि.कुंडल, जिला दौसा
राजस्थान ।

गुरु भक्त गुमानमल जी ने रचाया विज्ञातीर्थ पर श्री शांतिनाथ महामण्डल विधान

गुंसी. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला - टोंक (राज.) के तत्वावधान में गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में गुरुभक्त परिवार गुमानमल जयपुर वालों ने श्री 1008 शांतिनाथ महामंडल विधान रचाया। विधान के अंतर्गत 120 अर्घ्य चढ़ाकर अष्टद्रव्य से भगवान शांतिनाथ की महार्चना की गई। तत्पश्चात गुरु माँ के श्री चरणों का पाद - प्रक्षालन किया गया। गुरु माँ के उपवास के पश्चात पारणा महोत्सव का सौभाग्य भी आज के चातुर्मास पुण्यार्जक परिवार को प्राप्त हुआ। आज की शान्तिधारा करने का सौभाग्य नितिन निगोतिया जयपुर एवं प्रदीप अडंगाबाद वालों को प्राप्त हुआ। माताजी ने प्रवचन में आशीर्वचन देते हुए कहा कि - कभी भी स्वयं को सस्ते में न बेचें, बडी सोच में विश्वास करे। आपकी सफलता का आकार कितना बड़ा होगा, यह आपके विश्वास के आकार से तय होगा। अगर आपके लक्ष्य बड़े होंगे तो आपकी सफलता भी बड़ी होगी। बड़े विचार और बड़ी योजनायें अक्सर छोटे विचारों ओर छोटी योजनाओं से आसान होती है।

गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी के प्रथम स्मृति एवं अवतरण दिवस पर हुई विनयांजलि सभा, चुलगिरी समाधि स्थल पर उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के इतिहास में एक अनूठा संजोग भगवान पार्श्वनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक पर्व का बना था जिसमें 23 तारीख, 23 वां साल और 23 वें तीर्थंकर का मोक्ष कल्याणक पर्व मनाया गया था, वही अब दो दिन बाद एक अनूठा संजोग देखने को मिला जिसमें गणिनी आर्यिका रत्न गौरवमति माताजी जिनका गत वर्ष आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ सानिध्य में समाधि मरण हो गया था का इस वर्ष समाधि दिवस और अवतरण दिवस एक दिन होने से श्रद्धा के भावों को धारण कर शब्दों को विन्यांजलि की माला में पिरोकर श्रद्धांजलि देकर मनाया गया। माताजी के समाधि और अवतरण दिवस के अवसर पर मां सुपार्श्व-गौरव भक्त मंडल परिवार के सदस्यों द्वारा प्रातः 6 बजे आगरा रोड़ के चुलगिरी में स्थित समाधि स्थल की चरण छतरी का नारियल और गुलाब जल से अभिषेक किया साथ ही पुष्प वर्षा कर अष्ट द्रव्यों के साथ गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी का पूजन किया गया। इस दौरान गुरु भक्त परिवार के 50 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया की गणिनी आर्यिका सुपार्श्वमति माताजी से वर्ष 2007 में दशहरा पर्व के दिन गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी ने जेनेश्वरी दीक्षा ग्रहण की थी, इससे पूर्व जब माताजी जब गृहस्थ अवस्था में थी तब उनका प्रमिला नाम था और जबलपुर मध्य प्रदेश में रहती थी। पहली बार जब आर्यिका इंदुमति माताजी और आर्यिका सुपार्श्वमति माताजी का संघ जबलपुर में प्रवास के लिए पहुंचा था तब प्रमिला दीदी कक्षा 11 वीं पास कर चुकी थी और कक्षा 12 वीं की तैयारी कर रही थी, उस दौरान जबलपुर में पहला अवसर था की कोई आर्यिका संघ ने पहली बार जबलपुर में प्रवास किया था जिसको लेकर पूरे शहर में आर्यिका संघ के दर्शनों को लेकर एक अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा था जिसका प्रभाव प्रमिला दीदी पर भी पड़ा और वह भी आर्यिका संघ के दर्शनों के पहुंची तब गणिनी आर्यिका सुपार्श्वमति माताजी ने केवल एक नियम पालन करने को कहते हुए जब तक शादी ना हो तब तक के लिए ब्रह्मचर्य व्रत पालन करने को कहा, यह बात सुनकर प्रमिला दीदी ने पूछा था की अगर वह आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करे तो तब सुपार्श्वमति माताजी बहुत प्रभावित हुई। जिसके बाद प्रमिला दीदी ने आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का नियम धारण कर लिया तो उनके पिताजी और माताजी ने अपने 5 बच्चों में सबसे छोटी प्रमिला दीदी को आर्यिका संघ को देते हुए जैन धर्म की प्रभावना को बढ़ाने लगाने का निवेदन किया। आर्यिका संघ में रहते हुए ही प्रमिला दीदी ने अपनी शिक्षा पूरी की और डॉक्टरेट की उपाधि ली। लगभग 40 वर्षों तक ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करती रही गुरुमां सुपार्श्वमति माताजी की सेवा की और वर्ष 2007 में गणिनी आर्यिका सुपार्श्वमति माताजी की दीक्षा का 50 वां स्वर्णिम महोत्सव वैशाली नगर के नेमीसागर कॉलोनी में मनाया गया था जिसमें देशभर से 1 लाख से अधिक श्रद्धालु सम्मिलित हुए थे, इसी महोत्सव के दौरान गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी ने दीक्षा ग्रहण की थी तब से लेकर गत वर्ष तक उनके सभी चातुर्मास राजधानी जयपुर में संपन्न हुए। इस दौरान उन्होंने नेमीसागर, चुलगिरी, श्याम नगर, बढ़ के बालाजी, जोहरी बाजार, श्याम नगर, वरुण पथ मानसरोवर, जनकपुरी, पदमपुरा, कीर्ति नगर आदि कॉलोनियों में चातुर्मास कर धर्म प्रभावना की। गत वर्ष भी माताजी का चातुर्मास श्याम नगर में चल रहा था, दशलक्षण पर्व शुरू होने से पूर्व उनका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा, मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने उस दौरान भट्टारक जी की नसियां में चातुर्मास कर रहे आचार्य सुनील सागर महाराज को माताजी के स्वास्थ्य की जानकारी दी, जिसके बाद आचार्य श्री स्वयं पदविहार करते हुए श्याम नगर गए और माताजी को देखा तो उन्होंने माताजी को भट्टारक जी की नसियां लेकर आने को कहा, जिसके अगले ही दिन माताजी को भट्टारक जी की नसियां में प्रवेश संपन्न करवाया गया, इस दौरान 56 से अधिक संतों के सानिध्य में माताजी को यम सल्लेखना व्रत धारण करवाया गया जिसके उपरांत उसी दिन रात्रि 11 बजे आर्यिका माताजी का समाधि मरण हो गया था। जिसके बाद अगले दिन प्रातः 8 बजे भट्टारक जी की नसियां से चुलगिरी तक अंतिम यात्रा निकाली गई थी जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने सम्मिलित होकर आचार्य सुनील सागर महाराज के सानिध्य में अंतिम क्रिया विधि कर उत्कर्ष समाधि संपन्न करवाई थी। वह एक वर्ष पहले आज ही दिन था जब माताजी अपने भक्तों के मोह का त्याग कर समाधि मरण के सुख को प्राप्त कर उत्कर्ष समाधि का वैभव पाया था। शुक्रवार को माताजी के स्मृति और अवतरण दिवस के अवसर पर प्रातः 9.15 बजे से विन्यांजलि सभा का आयोजन किया गया था।

पार्श्वनाथ निर्वाण कल्याण महोत्सव धूमधाम से मनाया

विशाल पाटनी. शाबाश इंडिया

भागलपुर। दिगंबर जैन मंदिर, भागलपुर में मुनिराज विशल्य सागर जी के सानिध्य में बुधवार को 23वे तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण कल्याण महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर सम्मेद शिखर तीर्थ की एक अनुकृति पहाड़ की रचना की गई। यह अनुकृति देश भर के श्रद्धालुओं को बहुत आकर्षित कर रही हैं ।निर्वाण कल्याण पर निर्वाण का कुछ लेते हैं ना कुछ देते हैं फिर मोक्ष कल्याणक पर लड्डू क्यों चढ़ते हैं ? मुनिराज कहते हैं कि जैसे बूंदी के हर दाने में मिठास है उसी प्रकार आत्मा के प्रत्येक प्रदेश पर केवल ज्ञान शक्ति है और भगवान के मोक्ष जाने पर मेरा मन मुदित है इसलिए निर्माण कल्याण पर बूंदी का मोदक लड्डू चढ़ाया जाता है। क्योंकि मोदक का अर्थ मुदित होना या मोदक हमारे मुदित भाव का द्योतक है ।जब इस जीव को निर्वाह एवं निर्माण से विरक्ति होती तभी वह निर्वाण का प्रयास करता है।

मार्ग प्रशस्त करते हुए परम पूज्य मुनिराज ने कहा कि मनुष्य जीवन में तीन क्रियाएं होती रहती है। 1-निर्वाह 2- निर्माण और 3- निर्वाण निर्वाह और निर्माण की कला में तो यह जीव अनादिकाल से पारंगत से परंतु आज सीखना है, निर्वाण की कला ।मुनिराज ने कहा प्रेम बाटने से प्रेम मिलेगा.कभी सौंचा आपने की भगवान तो मोक्ष चले गए और हमारे वितरागी प्रभु ना भगवान पारसनाथ का मोक्ष कल्याणक हमारी अंतर चेतन को जगा देता है। जिन तीर्थंकर के जन्म के 6 माह पुर्व से कुबेर रत्न बरसाते थे, दीक्षा के बाद उन्हीं तीर्थंकर पर पत्थर भी पड़ गए, क्योंकि प्रकृति का यह अकाट्य सिद्धांत है कि जैसा करोगे वैसा फल भोगना पड़ेगा ।इसे कहते हैं कर्म का सिद्धांत, कर्म किसी को नहीं छोड़ते हैं, कर्म का भार स्वयं को चुकाना है।

दिगंबर जैन मंदिर रॉयल एवेन्यू सीता बाड़ी में पार्शवनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर रॉयल एवेन्यू सीता बाड़ी में मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बहुत धूम धाम से मनाया गया प्रातः श्री जी का अभिषेक शांतिधारा सामुहिक निर्वाण लाडू अर्पण किया गया पूण्यार्जक श्रीमती दुलारी देवी एवं सुनील गुलाब विहार निवासी थे। सभी ने मिल कर बहुत ही भक्ति भाव से पार्श्वनाथ विधान पूजन का आयोजन किया। मन्दिर प्रबन्ध समिति सदस्य महावीर गोदिका ने बताया कि इस मौके पर बहुत बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं ने श्री जी को लाडू अर्पण किया। उपस्थित श्रद्धालुओं में मंदिर कार्यकारिणी अध्यक्ष रमेश जैन, महेंद्र जैन, डा राहुल बिलाला, सुनील जैन, वीरेंद्र जैन, प्रदीप जैन, अंकित जैन,नितिन जैन, श्रीमती नीरू गोदिका,कंचन देवी,सुमन जैन,मंजू जैन,पिंकी जैन,ममता जैन, सुनील जैन गुलाब विहार, निवासी कल्याण नगर दिनेश धाडुका, राजेंद्र गोटे वाले,कैलाश बज,वीरेंद्र सेठी,पवन जैन,अशोक जैन,राकेश पापडीवाल,योगेश जैन, ओम प्रकाश गोधा,एडवोकेट सुदीप,कल्याण नगर मंदिर अध्यक्ष उत्तम राणा,पंकज झांझरी आदि ने पूजन विधान एवम अभिषेक में भाग ले कर पुण्यार्जन किया। सांय सभी ने मिल कर महा सामूहिक आरती एवम भजन संध्या कर संपूर्ण दिवस को बहुत ही भक्ति भाव के साथ मनाया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com